Raj Express (Indore), 15th September 2020, Page-2

आईआईटी और आईआईएम इंदौर के बीच हुआ पहला एमओयू साइन

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईएम इंदौर और आईआईटी इंदौर ने सोमवार को एक एमओयू साइन किया। दोनों संस्थानों के बीच यह पहला एमओयू है। इसका उद्देश्य शहर के दो प्रमुख संस्थानों के शैक्षणिक सदस्यों, स्टूडेंट्स और अनुसंधान समूहों के बीच संबंधों को मजबूत और बढ़ावा देना है। एमओयू पर आईआईएम इंदौर के निदेशक प्रोफेसर हिमांशु राय और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर नीलेश कुमार जैन ने हस्ताक्षर किए। दोनों संस्थान आम हितों के प्रस्तावित ढांचे पर काम करने और संसाधनों को साझा करने के लिए संयुक्त परामर्श और अनुसंधान के लिए सहमत हुए है। दोनों संस्थान एआई, एनालिटिक्स और प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों में संयुक्त कार्यक्रमों की पेशकश करने की योजना बना रहे हैं। साथ ही इन्क्यूबेशन सेंटर, स्टार्टअप्स और सेंटर फॉर एक्सीलेंस के लिए एक साथ काम करके उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करेंगे। संस्थान स्टूडेंट्स और संकाय विनिमय को भी बढ़ावा देंगे व सामाजिक कल्याण के लिए गतिविधियों को प्रोत्साहित करेंगे।

प्रबंधन और इंजीनियरिंग क्षेत्र में संयुक्त शोध करने के लिए करेगा प्रोत्साहित

प्रोफेसर जैन ने कहा यह पहली बार होगा जब दोनों संस्थान ने आधिकारिक रुप से सहयोग किया है। यह हमारे स्टूडेंट्स को विभिन्न कार्यक्रमों, अनुसंधान, प्रदर्शनियों आदि के लिए एक साथ समन्वय करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा यह हमारे संकाय को प्रबंधन और इंजीनियरिंग दोनों के क्षेत्र में संयुक्त शोध करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य फैकल्टी और स्टूडेंट्स को शैक्षिक गतिविधियों जैसे प्रदर्शनियों, व्याख्यान, सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशाला में भाग लेने व पारस्परिक लाभ के लिए अनुभवों व विचारों के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करना है।

लाएगा नए दृष्टिकोण भी: प्रोफेसर राय ने कहा कि यह समझौता 21वीं सदी के व्यवसायों के लिए अत्याधुनिक प्रबंधन विशेषज्ञता प्रदान करने वाले आईआईएम इंदौर की प्रतिष्ठा में काफी इजाफा करेगा। दोनों संस्थानों को भारत में और विश्व स्तर पर न केवल स्टूडेंट्स, फैकल्टी और व्यवसायों को भारी मूल्य वृद्धि प्रदान करने की अनुमति देगा, बल्कि यह तकनीकी और प्रबंधन सीखने के लिए नए दृष्टिकोण भी लाएगा, जिनके लाभ व्यापक शिक्षा और उद्योग में फायदेमंद होंगे।